[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 3203 A

Unique Paper Code : 12057608

Name of the Paper : Hindi Ki Bhashik Vividhtaein

Name of the Course : Hindi

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. हिंदी सिनेमा और मीडिया में व्याप्त क्षेत्रीय हिंदी रूपों के प्रयोग पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

साहित्यिक भाषा के रूप में हिंदी की विविधता पर प्रकाश डालिए।

2. पाठ्यक्रम में दिए गए पदों के आधार पर कबीर की काव्यगत विशेषताएँ बताइए। (15)

P.T.O.

अथवा

अमीर खुसरो की पहेलियों का प्रतिपाद्य लिखिए ।

3. बनारसी दास की आत्मकथा 'अर्ध कथानक' की विशेषताएं और महत्त्व लिखिए । (15)

अथवा

वर्तमान में गालिब की शायरी की सार्थकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

4. 'रानी केतकी की कहानी' के कथानक की समीक्षा कीजिए । (15)

अथवा

'पंचलैट' कहानी की संवेदना लिखिए ।

5. निम्नलिखित उद्धरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) हमन है इश्क मस्ताना, हमन को होशियारी क्या । (8)

रहे आजाद या जग से, हमन दुनिया से यारी क्या ।

जो बिछड़े हैं पियारे से, भटकते दर-बदर फिरते ।

हमारा यार है हम में, हमन को इंतजारी क्या ।

खलक़ सब नाम अपने को, बहुत कर सिर पटकता है।
हमन गुरुनाम साँचा है, हमन दुनिया से यारी क्या।
न पल बिछड़े पिया हमसे, न हम बिछड़े पियारे से।
उन्हीं से नेह लगी है; हमन को बेकरारी क्या।
कबीरा इश्क का माता, दुई को दूर कर दिल से।
जो चलना राह नाज़ुक है, हमन सिर बोझ भारी क्या ।।

अथवा

रहिए अब ऐसी जगह चलकर जहाँ कोई न हो
हम-सुखन कोई न हो और हम जबा कोई न हो
बे-दरो-दीवार-सा इक घर बनाया चाहिए
कोई हमसाया न हो और पासबां कोई न हो
पड़िए गर बीमार तो कोई न हो तीमारदार
और अगर मर जाइए तो नौहा-ख्वां कोई न हो।

(ख) रजनी समै मधुर मुख भास। बनिता कहै बानारसी पास। (7)
कंत तुम्हारी कहा बिचार। इहां रहौ कै करो बिहार ।।
बानारसी कहै तिय पांहि। हम तू साथ जौनपुर जाहि ।।
बनिता कहै सुनंहु पिय बात। उहां महा बिपदा उतपात ।।

अथवा

गुलरी काकी की बेटी मुनरी के मुँह में बार-बार एक बात आकर मन में लौट जाती है। वह कैसे बोले ? वह जनती है कि गोधन पंचलैट बालना जानता है। लेकिन गोधन का हुक्का-पानी पंचायत से बंद है। मुनरी की माँ ने पंचायत में फरियाद की थी कि गोधन रोज उसकी बेटी को देखकर 'सलम-सलम' वाला सलीमा का गीत गाता है - "हम तुमसे मोहोब्बत करके सलम!" पंचों की निगाह पर गोधन बहुत दिन से चढ़ा हुआ था। दूसरे गाँव से आकर बसा है गोधन, और अब तक टोले के पंचों को पान-सुपारी खाने के लिए भी कुछ नहीं दिया। परवाह ही नहीं करता है। बस, पंचों को मौका मिला। दस रुपया जुरमाना! न देने से हुक्का पानी बंद। आज तक गोधन पंचायत से बाहर है। उससे कैसे कहा जाए मुनरी उसका नाम कैसे ले ? और उधर जाति का पानी उत्तर रहा है।